FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION PRAYAGRAJ

'VANIKI SE UDYAMITA'

8th October, 2021

Under BhartakaAmrutMohatsav, "VanikiSe Udyamita" Training Workshop was organised by FRCER, Prayagraj, on 8th October, 2021 at FRCER Central Research Nursery, Padilla. The purpose of this workshop was to educate and train people how they can fully utilize their forest produce skilfully and earn money for their livelihood. The training initiated with our Honrable PM slogan 'Hamara Van, HamaraDhan'. The chief guest of this workshop was Mrs. Shaheda Begum, of Feroz Foundation, Prayagraj. The workshop started with the briefing about the programme by Dr. KumudDubey, the Extension-Incharge of Centre. She also introduced the Trainer of the workshop. The Head FRCER, Prayagraj Dr. Sanjay Singhwelcomedthe guests and participants of the workshop. He also explained how our forest produce may be used as a source of income.

TheGuest trainer GargiRai, MSME, explained about usage of bamboo in making of different edibles. She described the method of preparationsof pickles, vegetable, murabbaand other recipe with parts of Bamboo. She told

that these preparations from bamboo are very healthy and may be sold on high rates. The people may earn good amount from it.

Mrs.Shaheda Begum demonstrated the process of making baskets and decorative items using Sarpat, a wild grass. She also explained the price at which different items are sold in the market to motivate the public to fully utilize their produce. Thereafter, Mr. Sanjay Kumar, Field Executive Officer, Green Gold Farmer's Produce Company, offered to purchase 500 pieces of goods made of Sarpat.

The workshop concluded with a thank you note by Senior Technical Officer Dr. S.D. Shukla. The training programme was hosted by Mr. Aman Kumar Mishra. Dr. Anita Tomar, Dr.Anubha Srivastava, Mr.Ratan Gupta, Mr. Rahul, Ms.Vandita, Ms.Darshita, Mr. Rahul Nishad, Mr.Kuldeep, Mr.Laljiand other researchers and Ph.D. scholars were also actively participated the event.

Glimpse of the Programme

प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यशाला
“ वानिकी से उद्यमिता ”
08 अक्टूबर 2021

प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यशाला
“ वानिकी से उद्यमिता ”
08 अक्टूबर 2021

प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यशाला
“ वानिकी से उद्यमिता ”
08 अक्टूबर 2021

प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यशाला
08 अक्टूबर 2021

प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यशाला
वानिकी से उद्यमिता
08 अक्टूबर 2021
पारि - पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज
3/1, लाजपत राय रोड, नया कटरा, प्रयागराज

News Coverage

वानिकी से उद्‌यमिता पर प्रशिक्षण कार्यशाला

चीफ रिपोर्टर

प्रयागराज। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा अनुसंधान पौधशाला, पडिला में आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'वानिकी से उद्‌यमिता' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम संयोजिका डा. कुमुद दूबे ने कार्यशाला की रूपरेखा से अवगत कराया। कार्यशाला में प्रयागराज के ग्रामीण क्षेत्रों से लगभग पचास से अधिक महिला - पुरुष प्रतिभागी शामिल हुए। केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह ने अपने उद्बोधन में वानिकी उपक्रमों से उद्‌यमिता विकास के विभिनन्‍ अवसरों और आर्थिक लाभ की जानकारी दी। साहिदा बेगम, फ़िरोज़ फाउंडेशन तथा गार्गी रॉय ने लोगों को प्रशिक्षित किया। श्रीमती राय ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्‌यम के अंतर्गत बाँस विकल्प पर चर्चा करते हुए इनसे तैयार वस्तुओं से अवगत कराया तथा मनुष्य के दैनिक जीवन में इनके महत्व पर चर्चा की वहीं शाहिदा बेगम ने सरपत से बनने वाली हस्तशिल्प वस्तुओं के निर्माण और विक्रय पर प्रकाश डाला। संचालन अमन मिश्रा ने किया और धन्यवाद ज्ञापन केन्द्र के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा. एसडी शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में डॉ. अनिता तोमर, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, रतन गुप्ता, राहुल निषाद, आशीष यादव, दर्शिता रावत, वंदिता, राहुल कुमार, अंकुर श्रीवास्तव आदि मौजूद थे।

पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र में आयोजित की गई कार्यशाला।

वन आर्थिक स्थिति मजबूत करते हैं: डॉ. संजय सिंह

प्रयागराज। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से पडिला स्थित अनुसंधान पौधशाला में शुक्रवार को प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'वानिकी से उद्यमिता' विषय पर कार्यशाला हुई। कार्यक्रम की संयोजिका डा. कुमुद दुबे ने कार्यशाला की रूपरेखा बताई। केंद्र प्रमुख डा संजय सिंह ने कहा कि वानिकी उपक्रमों से उद्यमिता विकास के साथ आर्थिक लाभ भी होता है।

वानिकी से उद्यमिता पर आयोजित कार्यशाला सम्पन्न

प्रयागराज(नि. सं.)। आज दिनांक 08.10.2021 को पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा अनुसंधान पौधशाला, पड़िला में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'वानिकी से उद्यमिता' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम संयोजिका डा0 कुमुद

दूबे ने कार्यशाला की रूपरेखा से अवगत कराया। कार्यशाला में प्रयागराज के ग्रामीण क्षेत्रों से लगभग पचास से अधिक महिला पुरुष प्रतिभागी शामिल हुए। केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह ने अपने उद्बोधन में वानिकी उपक्रमों से उद्यमिता विकास के विभिनन्‍ अवसरों और आर्थिक लाभ की जानकारी दी। साहिदा बेगम, फ़िरोज़ फाउण्डेशन तथा गार्गी रॉय, बाँस मिशन ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। गार्गी रॉय ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम के अंतर्गत बाँस विकल्प पर चर्चा करते हुए इनसे तैयार वस्तुओं से अवगत कराया तथा मनुष्य के दैनिक जीवन में इनके महत्व पर चर्चा की वहीं शाहिदा बेगम ने सरपत से बनने वाली हस्तशिल्प वस्तुओं के निर्माण और विक्रय पर प्रकाश डाला। कार्यशाला का संचालन अमन मिश्रा ने किया और धन्यवाद ज्ञापन केन्द्र के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा0 एस0 डी0 शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में डॉ0 अनिता तोमर, डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव, रतन गुप्ता, राहुल निषाद, आशीष यादव, दर्शिता रावत, वंदिता, राहुल कुमार तथा अंकुर श्रीवास्तव की सहभागिता रही।